दलाई लामा

स्रोत: पी. आई. बी.

हाल ही में बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा का **89वाँ जन्मदिन** मनाया गया।

- **दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म की गेलुग्पा परंपरा से संबंधित** हैं, जो तिब्बत में सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली परंपरा है।
- तिब्बती बौद्ध धर्म के इतिहास में केवल **14 दलाई लामा** हुए हैं और **पहले तथा दूसरे दलाई लामाओं** को मरणोपरांत यह उपाधि दी गई थी।
    - **14वें और वर्तमान दलाई लामा 'तेनजिन ग्यात्सो'** हैं।
- माना जाता है कि **दलाई लामा अवलोकितेश्वर या चेनरेज़िग,** करुणा के बोधिसत्व और तिब्बत के संरक्षक संत के प्रतीक हैं।
    - **बोधिसत्व** सभी संवेदनशील प्राणियों के लाभ के लिये बुद्धत्व प्राप्त करने की इच्छा से प्रेरित प्राणी हैं, जिन्होंने मानवता की मदद के लिये दुनिया में पुनर्जन्म लेने की प्रतिबद्धता जताई थी।
- **दलाई लामा (14वें)** वर्ष 1959 के तिब्बती विद्रोह के दौरान हज़ारों अनुयायियों के साथ तिब्बत से भारत भाग आए थे, तब से वे भारत में रह रहे हैं।

और पढ़ें: बौद्ध धर्म में अभय मुद्रा, अमेरिका ने पारित किया 'तिब्बत समाधान अधिनियम', दलाई लामा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dalai-lama-2